S.No.	Title	Date	Page No.	Remark
	पाठ-योजना - 1		1 - 6	
	पाठ-योजना - 2		7 - 12	
	पाठ-योजना - 3		13 - 18	
	पाठ योजना - 4		19 - 24	
	पाठ-योजना - 5		25 - 31	

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना - 1

कक्षा :- IX
दिनांक :-
विषय :- वाणिज्य
अवधि :- 35 मिनट
विद्यालय :- श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कालेज एण्ड मैनेजमेन्ट
कालांश :- VI

प्रकरण :- चैक

शिक्षण बिन्दु	विशिष्ट उद्देश्य	विधि / प्रविधि / सहायक सामग्री
1- चैक की परिभाषा 2- चैक भरते समय सावधानियाँ 3- चैक भरते समय कुछ अन्य सावधानी।	1- ज्ञानात्मक प्राप्य उद्देश्य - छात्रों को चैक को परिभाषित करने योग्य बनाना 2- अवबोधात्मक उद्देश्य - छात्रों को चैक का सारांश देने योग्य बनाना। 3- अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्रों को चैक का प्रयोग करने योग्य बनाना। 4- कौशलात्मक उद्देश्य :- छात्रों को चैक के विषय में पूर्वकथन करने योग्य बनाना	विधि — व्याख्यान प्रविधि - 1- प्रश्नोत्तर 2- प्रदर्शन सहायक सामग्री - चैक का प्रारूप प्रस्तुत करता चार्ट।

छात्रों का पूर्वज्ञान :- छात्रों को चैक के बारे में सामान्य जानकारी है।

प्रस्तावना प्रश्न :-

छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
1- जब हमें अपनी आवश्यकता की कोई वस्तु खरीदनी होती है तो हम उसे कहाँ से लेते हैं?	हम अपनी आवश्यकता की वस्तु को दुकान से लेते हैं।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

2- दुकानदार हमें उस सामान का क्या बनाकर देता है?	उत्तर दुकानदार हमें उस सामान का बिल बनाकर देता है।
3- उस बिल का भुगतान हम किस प्रकार करते हैं?	उत्तर :- उस बिल का भुगतान हम नकद पैसा देकर करते हैं।
4- अगर भुगतान की राशि बहुत अधिक मात्रा में हो तो उसका भुगतान कैसे करेंगे? (समस्यात्मक प्रश्न)	उत्तर - छात्र अनुत्तरित हैं।

उद्देश्य कथन :- आज हम चैक भरते समय क्या-क्या सावधानी रखनी चाहिए इसका अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएं	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
1- चैक की परिभाषा	विकासात्मक प्रश्न - **प्रश्न**- चैक से आप क्या समझते हो?	**उत्तर**- जब हमें किसी को बड़ी राशि का भुगतान करना होता है तब हम चैक का उपयोग करते हैं।	**प्रविधि**- प्रश्नोत्तर	चैक से तात्पर्य एक शर्तरहित लिखित आज्ञा-पत्र होता है, और यह आदेश होता है कि उसमें लिखो-

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 3

प्रश्न-२ चैक को व्यापारिक भाषा में किस प्रकार बतायेंगे? (समस्यात्मक प्रश्न)	उत्तर- छात्र अनुत्तरित हैं।		धनराशि का भुगतान उसमें लिखे व्यक्ति के मांगे जाने पर कर दें।
छात्राध्यापक कथन - चैक से तात्पर्य एक शर्त रहित लिखित आज्ञापत्र होता है जिसमें लिखने वाले के हस्ताक्षर होते हैं और बैंक को यह आदेश होता है कि वह उसमें लिखी धनराशि का भुगतान उसमें लिखे व्यक्ति के मांगे जाने पर कर दें। चैक को धनादेश भी कहते हैं। चैक का उपयोग कोई भी वह व्यक्ति कर सकता है जिसका बैंक में खाता हो।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	विधि व्याख्यान	चैक का नमूना NO. PS/645629	NO. PS/645629 Code No. Dated...........	State Bank of India State Bank of India	Meerut City Dated... Meerut City In Favour of	Pay to........ or Bearer Rs.	Rs.
बोधात्मक प्रश्न-			
प्रश्न-१ चैक बुक किसे मिलती है?	उत्तर- जिसका बैंक में खाता हो चैक बुक उसे मिलती है।	प्रविधि:- प्रश्नोत्तर	
प्रश्न-२ चैक का दूसरा नाम क्या है?	उत्तर:- धनादेश है।		
प्रश्न-३:- चैक बुक कौन देता है?	उत्तर:- बैंक अपने ग्राहकों को देती है		

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

2- चैक भरते समय साव-धानियाँ	विकासात्मक प्रश्न-			
	प्रश्न-1 चैक क्या होता है?	उत्तर- एक शर्त -रहित लिखित आज्ञापत्र होता है जिसमें बैंक को यह आदेश होता है कि वह उसमें लिखी धनराशि का भुगतान मांगे जाने पर कर दे।	प्रविधि:- प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2 चैक भरते समय क्या क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए?	उत्तर- छात्र अनुत्तरित हैं।		
	(समस्यात्मक प्रश्न)			
	छात्राध्यापक कथन- चैक लिखते समय किसी भी लेखक को विशेष सावधानी की आवश्यकता है क्योंकि तनिक भी त्रुटि होने पर बैंक चैक का भुगतान करने से मना कर सकता है।	छात्र ध्यान पूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	विधि- व्याख्यान	सावधानी 1- तिथि 2- हस्ताक्षर 3- धनराशि 4- पाने वाले का नाम
	बोधात्मक प्रश्न:-			
	प्रश्न-1 चैक में कोई त्रुटि होने पर क्या होगा?	उत्तर- चैक का भुगतान करने से बैंक इनकार कर देगा।	प्रविधि:- प्रश्नोत्तर	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 5

3- चैक भरते समय कुछ अन्य साव-धानियाँ	विकासात्मक प्रश्न-			
	प्रश्न-1 जिस चैक का भुगतान 6 माह के अन्दर नही होता उसे क्या कहते हैं?	उत्तर- ऐसे चैक को बासी चैक कहा जाता है।	प्रविधि- प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2 चैक भरते समय हस्ताक्षर किस प्रकार करने चाहिए? (समस्यात्मक प्रश्न)	उत्तर:- छात्र निरुत्तर हैं।		
	छात्राध्यापक कथन-:			
	हस्ताक्षर- लेखक को यह ध्यान रखना चाहिए कि खाता खोलते समय जो हस्ताक्षर किया था वैसा ही हस्ताक्षर करें।	छात्रा/छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे	विधि- व्याख्यान	
	धनराशी - भुगतान की जाने वाल राशी अंको व शब्दों मे एक ही होनी चाहिए।			
	पाने वाले का नाम - जिस व्यक्ति को भुगतान होना है उसका नाम साफ अक्षरों मे लिखा होना चाहिए।			
	बोधात्मक प्रश्न-			
	प्रश्न-1 शब्दों मे धनराशी लिखने के बाद क्या लिखना चाहिए?	उत्तर:- मात्र अथवा only	प्रविधि:- प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2 चैक पर हस्ताक्षर किस प्रकार करना चाहिए।	उत्तर:- जैसे लेखक ने खाता खोलते समय बैंक को नमूने मे दिये थे		

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

प्रश्न-3 पाने वाले के नाम में किन शब्दो का प्रयोग नही करना चाहिए?	उत्तर :- आदर सूचक शब्दो का प्रयोग नही करना चाहिए		

मूल्यांकन प्रश्न :-

• रिक्त स्थान भरिए -

1- चैक लिखते समय विशेष .... की आवश्यकता है।

2- चैक एक .... लिखित आज्ञापत्र है।

3- चैक पर .... लिखना आवश्यक है।

• सत्य/असत्य बताइए -

1- चैक पर आदरसूचक शब्दो का प्रयोग आवश्यक है।

2- किसी भी चैक का भुगतान लिखी दिनांक से 6 माह के भीतर हो जाना।

3- चैक पर देने वाले के हस्ताक्षर आवश्यक नही है।

गृह कार्य :-

छात्र चैक की सभी सावधानियाँ लिखकर लाएँगे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना - 2

कक्षा :- IX
दिनांक :-
विषय :- वाणिज्य
अवधि :- 35 मिनट
विद्यालय :- श्रीमती श्यामा देवी डिग्री कालेज एवं मैनेजमेन्ट
कालांश :- IV

प्रकरण :- टाइपराइटर

शिक्षण बिन्दु	विशिष्ट उद्देश्य	विधि / प्रविधि / सहायक सामग्री
1- टाइपराइटर 2- टाइपराइटर का महत्व 3- टाइपराइटर के प्रकार	1- ज्ञानात्मक प्राप्य उद्देश्य - छात्रों को टाइपराइटर की पहचान करने योग्य बनाना। 2- अवबोधात्मक उद्देश्य - छात्रों को टाइपराइटर की व्याख्या करने योग्य बनाना। 3- अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य - छात्रों को टाइपराइटर का प्रयोग करने योग्य बनाना। 4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य - छात्रों को टाइपराइटर के विषय में चार्ट का प्रदर्शन करने योग्य बनाना। 5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य :- छात्रों को टाइपराइटर के विषय में आलोचना करने योग्य बनाना। 6- कौशलात्मक उद्देश्य - छात्रों को टाइपराइटर के विषय में पूर्वकथन करने योग्य बनाना।	विधि - व्याख्यान प्रविधि - ① प्रदर्शन ② प्रश्नोत्तर सहायक सामग्री :- टाइपराइटर (प्रकार) प्रदर्शित करता चार्ट

पूर्वज्ञान :-
छात्रों को टाइपिंग की सामान्य जानकारी है।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

प्रस्तावना प्रश्न :-

छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न-1 जब कोई व्यक्ति कोई अपराध करता है तो उसे क्या दिया जाता है?	उत्तर- उसे दण्ड दिया जाता है।
प्रश्न-2 ये दण्ड उसे कौन देता है?	उत्तर- दण्ड उसे न्यायाधीश देते हैं।
प्रश्न-3 न्यायाधीश का कार्य स्थल कहाँ है?	उत्तर- कचहरी, न्यायाधीश का कार्यस्थल होता है।
प्रश्न-4 कचहरी में अधिकार पत्र किससे छपते हैं? (समस्यात्मक प्रश्न)	उत्तर- छात्र अनुत्तरित है।

उद्देश्य कथन :- आज हम टाइपराइटर के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ	विधि प्रविधि सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
1- टाइपराइटर	विकासात्मक प्रश्न			

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 9

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
	प्रश्न-1 टाइपराइटर के विषय में आप क्या जानते हैं?	**उत्तर** - इससे पत्र टाइप किये जाते हैं।	प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2 टाइपराइटर का आविष्कार किसने किया? (समस्यात्मक प्रश्न)	**उत्तर** - छात्र अनुत्तरित हैं।		टाइपराइटर के आविष्कारक हेनरी मिल (1774)
	छात्राध्यापक कथन :- टाइपराइटर का आविष्कार सन् 1774 में हुआ था। इसका आविष्कार हेनरी मिल ने किया था। भारत में कई कम्पनियाँ टाइपराइटर का उत्पादन करती हैं जैसे- गोदरेज, टाटा, रेमिंगटन आदि। आजकल ये हिन्दी अंग्रेजी तथा अन्य भाषाओं की वर्णमाला में भी मिलते हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	विधि :- व्याख्यान	

Teacher's Signature : ....

SMT. SITA MA DEVI Degree College of Science & Management

	बोधात्मक प्रश्न -			
	प्रश्न-1 टाइपराइटर का आविष्कार कब और किसने किया?	उत्तर- हेनरी मिल ने 1774 में टाइपराइटर का आविष्कार किया था।	प्राविधि- प्रश्नोत्तर	टाइपराइटर का उत्पादन करनेवाली कम्पनियाँ - टाटा, गोदरेज, हैमिंगटन।
	प्रश्न-2 भारत में टाइपराइटर कौन-कौन सी कम्पनियाँ बना रही हैं?	उत्तर- गोदरेज, टाटा, हैमिंगटन आदि।		
(3) टाइपराइटर का महत्व	विकासात्मक प्रश्न-			
	प्रश्न-1 टाइपराइटर से हम क्या करते हैं?	उत्तर- टाइपराइटर से हम पत्रों को टाइप करते हैं।	प्राविधि- प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2 टाइपराइटर का क्या महत्व है? (समस्यात्मक प्रश्न)	उत्तर- छात्र अनुत्तरित हैं।		
	छात्राध्यापक कथन- इस यन्त्र द्वारा पत्र शीघ्रता व सुन्दरता से टाइप किये जाते हैं। हस्तलिखित पत्र की अपेक्षा टाइप किया गया पत्र अधिक	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	विधि:- व्याख्यान	टाइपराइटर का महत्व ⇒ ① शीघ्र कार्य ② पत्र को सुन्दर छापते हैं।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

	सुन्दर व साफ-सुथरे होते हैं। कार्बन पेपर की सहायता से किसी पत्र की 5-6 प्रतियाँ निकाली जा सकती हैं।			
	बोधात्मक प्रश्न-			
	प्रश्न-1 टाइपराइटर का उपयोग कहाँ होता है?	उत्तर- इसका उपयोग सरकारी कार्यालयों तथा व्यापारिक कार्यालयों में होता है।	प्रविधि- प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न 2- टाइपराइटर का उपयोग कौन व्यक्ति कर सकता है?	उत्तर- प्रशिक्षित व्यक्ति कर सकता है।		
(4) टाइपराइटर के प्रकार-	प्रश्न-3 इससे टाइप किये गये पत्र कैसे होते हैं?	उत्तर- सुन्दर तथा स्वच्छ होते हैं।		टाइपराइटर के प्रकार- (1) हस्त संचालित (2) विद्युत संचालित (3) पोर्टेबिल
	प्रश्न4:- टाइपराइटर कितने प्रकार के होते हैं? (समस्यात्मक प्रश्न)	उत्तर- छात्र अनुत्तरित हैं।		

SMT. SHIVA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

मूल्यांकन प्रश्न :-

● एक शब्द में बताइए-

1- उस टाइपराइटर का नाम बताओ जिसे आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है ?

2- इलेक्ट्रॉनिक टाइपराइटर किसे कहते है ?

3- टाइपराइटर के आविष्कारक का नाम बताओ ?

● सत्य /असत्य बताइए –

1- टाइपराइटर का उपयोग घरों में कर सकते हैं।

2- टाइपराइटर का स्थान आजकल कम्प्यूटर लेता जा रहा।

3- इलेक्ट्रॉनिक टाइपराइटर में टाइपिंग की गति तीव्र होती है।

गृह कार्य :-

छात्र विभिन्न प्रकार के टाइपराइटर के बारे में लिखकर लाएंगे।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. 13

पाठयोजना-3

कक्षा :- IX दिनांक :-

विषय :- वाणिज्य अवधि :- 35 मिनट

विद्यालय :- श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कालेज ऑफ मैनजमेंट कालांश :- VI

प्रकरण :- सुपर मार्केट

शिक्षण बिन्दु	विशिष्ट उद्देश्य	विधि/प्रविधि/सहायक सामग्री
1- सुपर मार्केट का अर्थ तथा परिभाषा 2- सुपर मार्केट के लाभ 3- सुपर मार्केट की हानियाँ	1- ज्ञानात्मक प्राप्य उद्देश्य :- छात्रों को सुपर मार्केट को परिभाषित करने योग्य बनाया। 2- अवबोधात्मक उद्देश्य :- छात्रों को सुपर मार्केट का सारांश देने योग्य बनाना। 3- अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्रों को सुपर मार्केट का प्रयोग करने योग्य बनाना। 4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य :- छात्रों को सुपर मार्केट का चार्ट प्रदर्शन करने योग्य बनाना। 5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य :- छात्रों को सुपर मार्केट के विषय में आलोचना करने योग्य बनाना।	विधि :- व्याख्यान प्रविधि :- (1) प्रदर्शन (2) प्रश्नोत्तर सहायक सामग्री :- सुपर मार्केट के लाभ दर्शाता चार्ट

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

पूर्वज्ञान :- छात्रों को बाजार की सामान्य जानकारी है।

प्रस्तावना प्रश्न :-

छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न-1 जब हमें फल खरीदने होते हैं तो हम किससे खरीदते हैं?	उत्तर:- फल हम फल वाले से खरीदते हैं।
प्रश्न-2 हम कॉपी, किताब, पढ़ाई-लिखाई से सम्बन्धित चीज कहाँ से खरीदते हैं?	उत्तर:- पढ़ाई-लिखाई से सम्बन्धित चीजें स्टेशनरी से खरीदते हैं।
प्रश्न-3 खाने-पीने का एवं रसोई का सामान किससे खरीदते हैं?	उत्तर:- किराने वाले से खरीदते हैं।
प्रश्न-4 यदि ये सब सामान एक जगह मिल जाएँ तो उसे क्या कहेंगे? (समस्यात्मक प्रश्न)	उत्तर:- छात्र अनुत्तरित हैं।

उद्देश्य कथन :- आज हम सुपर मार्केट के बारे में अध्ययन करेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	विधि / प्रविधि	श्यामपट्ट कार्य
1. सुपर मार्केट का अर्थ	विकासात्मक प्रश्न – प्रश्न-1 सुपर मार्केट के बारे में आप क्या जानते हैं?	उत्तर- जहाँ पर जरूरत की अधिकतर चीजें मिल जाएँ।	प्रविधि:- प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2 सुपर मार्केट को आप किस प्रकार परिभाषित करेंगे? (समस्यात्मक प्रश्न)	उत्तर- छात्र निरुत्तर हैं।		
	छात्राध्यापक कथन – सुपर बाजार फुटकर व्यापार करने वाली एक व्यापारिक संस्था होती है, जिसका उद्देश्य मध्यस्थों को समाप्त करके उपभोक्ता को कम कीमत पर दैनिक आवश्यकता की वस्तुएँ उपलब्ध कराना है। वस्तु का विक्रय 'दाम दो माल लो' के सिद्धांत पर किया जाता है।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	विधि:- व्याख्यान	सुपर बाजार फुटकर व्यापारिक संस्था सिद्धान्त - दाम दो माल लो संचालन - स्वयं सेवा

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

	बोधात्मक प्रश्न:-			
	प्रश्न-1 सुपर बाजार किस प्रकार की व्यापारिक संस्था है?	उत्तर: फुटकर व्यापार करने वाली।	प्रविधि: प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2 इसका मुख्य उद्देश्य क्या है?	उत्तर - मध्यस्थों को समाप्त कर के उपभोक्ता तक कम कीमत पर सामान पहुंचाना।		
② सुपर मार्किट के लाभ –	विश्लेषणात्मक प्रश्न –			
	प्रश्न-1 स्वयं सेवा से क्या तात्पर्य है?	उत्तर - स्वयं सेवा से तात्पर्य है कि ग्राहक अपना सामान स्वयं पसंद कर काउण्टर तक लाता है।	प्रविधि: प्रश्नोत्तर	सुपर मार्केट से लाभ -: ① कम कीमत ② मोलभाव की आवश्यकता न ③ नकद बिक्री का लाभ ④ ग्राहकों का विश्वास ⑤ वस्तु के चयन की सुविधा
	प्रश्न-2 सुपर बाजार के क्या लाभ हैं? (समस्यात्मक प्रश्न)	उत्तर - छात्र अनुत्तरित हैं।		
	छात्राध्यापक कथन – सुपर बाजार के निम्न लाभ हैं - एक ही स्थान पर आवश्यकता की	छात्र ध्यान पूर्वक व्याख्या सुनेंगे		

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

	सभी वस्तुएँ उपलब्ध हो जाती है। कम कीमत पर सामान मिल जाता है। कम कीमत होने के कारण बिक्री अधिक होती है।			
	बोधात्मक प्रश्न –			
	प्रश्न-1 ग्राहकों का विश्वास क्यों बना रहता है?	उत्तर- प्रत्येक समान का मिल जाना, मूल्य निर्धारित होना	प्रविधि: प्रश्नोत्तर	
③ सुपर बाजार की हानियाँ	प्रश्न-1 सुपर बाजार से ग्राहकों को क्या हानि है?	उत्तर- छात्र अनुत्तरित है।		सुपर बाजार की हानियाँ – ① चोरी होने का भय ② ज्यादा जगह ③ ज्यादा पूंजी ④ भारी वस्तु के लिए अनुपयुक्त
	प्रश्न-2 किन वस्तुओं के लिए ये बाजार अनुपयुक्त है?	उत्तर- भारी वस्तु के विक्रय के लिए ये बाजार अनुपयुक्त है।		

मूल्यांकन प्रश्न –

• रिक्त स्थान भरिए –

1- सुपर बाजार मे बिक्री के लिए .... की आवश्यकता नही रहती।

2- काउन्टर पर क्लर्क .... बनाकर ग्राहकों को देता है।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

3- सुपर बाजार के लिए-------- जगह की आवश्यकता होती है।

- सत्य/असत्य बताइए-

1- सुपर बाजार में सामान महंगा मिलता है।
2- सुपर बाजार स्वंय सेवा के सिद्धान्त पर आधारित है।
3- इसका उद्देश्य मध्यस्थों को समाप्त करना है।

गृहकार्य:- छात्र सुपर बाजार के बारे में लिखकर लाएँगे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना-4

कक्षा :- 18 दिनांक :-
विषय :- वाणिज्य अवधि :- 35 मिनट
विद्यालय :- श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कालेज आफ मैनेजमेंट कालांश :- VI

प्रकरण :- बैंक कार्ड

शिक्षण बिन्दु	विशिष्ट उद्देश्य	विधि/प्रविधि
1- बैंक कार्ड 2- A.T.M. 3- A.T.M. से पैसे निकलने के चरण	1- ज्ञानात्मक प्राप्य उद्देश्य :- छात्रों को बैंक कार्डों को परिभाषित करने योग्य 2- अवबोधात्मक उद्देश्य :- छात्रों को बैंक कार्डों का सारांश देने योग्य बनाना 3. अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्रों को बैंक कार्डों के प्रयोग करने योग्य बनाना 4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य :- छात्रों को बैंक कार्डों के विषय में निष्कर्ष देने योग्य बनाना। 5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य :- छात्रों को बैंक कार्डों के विषय मे आलोचना करने योग्य बनाना। 6 - कौशलात्मक उद्देश्य :- छात्रों को बैंक कार्डों का पूर्वकथन करने योग्य बनाना।	प्रविधि :- ~~व्याख्यान~~ ① प्रदर्शन ② प्रश्नोत्तर विधि :- व्याख्यान सहायक सामग्री - चार्ट

पूर्व ज्ञान :- छात्रों को बैंक के बारे मे सामान्य जानकारी है।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

प्रस्तावना प्रश्न :-

छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न-1 हमारे खर्च करने के बाद जो पैसे बचते हैं उसे हम क्या कहते हैं?	उत्तर- उसे हम बचत कहते हैं।
प्रश्न-2 उन बचत किये पैसों को आप कहाँ रखते हैं?	उत्तर- उसे हम अपने गुल्लक मे रखते हैं।
प्रश्न-3 जब यही बचत बड़ा रूप ले लेती है तो इसे कहा रखते हैं?	उत्तर- बड़ी बचत को हम बैंक मे रखते हैं।
प्रश्न-4 बैंक जो विभिन्न कार्ड को अपने ग्राहकों की सेवा में प्रदान करता है? (समस्यात्मक प्रश्न)	उत्तर- छात्र अनुत्तरित हैं।

उद्देश्य कथन :- आज हम बैंक कार्डों के विषय मे अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	सहायक सामग्री	श्यामपट्ट कार्य
1- बैंक कार्ड	विकासात्मक प्रश्न- प्रश्न-1 बैंक मे क्या-क्या कार्य होते हैं?	उत्तर- वित्तीय हस्तान्तरण, आदि	प्रविधि- प्रश्नोत्तर	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

प्रश्न-2 बैंक कार्ड कितने प्रकार के होते हैं? (समस्यात्मक प्रश्न)	उत्तर- छात्र अनुत्तरित हैं।		
छात्राध्यापक कथन- विभिन्न प्रकार की बैंक हमारी जरूरत के अनुसार हमे कार्ड देती हैं। ये दो प्रकार के होते हैं- ① प्रीपेड- ② पोस्टपेड प्रीपेड कार्ड को ATM कार्ड अथवा डेबिट कार्ड भी कहते हैं।		विधि:- व्याख्यान	कार्डों के प्रकार ① प्रीपेड कार्ड ② पोस्टपेड कार्ड
बोधात्मक प्रश्न:-			
प्रश्न-1 कार्ड कितने प्रकार के होते हैं?	उत्तर- कार्ड दो प्रकार के होते हैं।	प्रविधि- प्रश्नोत्तर	
प्रश्न-2 प्रीपेड कार्ड को और किस-2 नाम से जाना जाता है?	उत्तर- ATM कार्ड अथवा डेबिट कार्ड के नाम से।		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

	प्रश्न-3 प्रीपेड कार्ड में कितने पैसे निकाले जाते हैं?	उत्तर- छात्र अनुत्तरित हैं।		
2- A.T.M.	विकासात्मक प्रश्न - प्रश्न-1 प्रीपेड कार्ड से कितने पैसे निकाले जा सकते हैं?	उत्तर - जितना हमारे बैंक के अकाउंट में होता है।	प्रविधि- प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2 प्रीपेड कार्ड से पैसा किस मशीन द्वारा निकाला जाता है? (समस्यात्मक प्रश्न)	उत्तर - छात्र अनुत्तरित हैं।		A.T.M. => Automated Teller Machine स्वचालित गणक मशीन
	छात्राध्यापक कथन प्रीपेड कार्ड से पैसा ATM की सहायता से निकाला जाता है। ATM का पूरा नाम Automated teller machine है। यह दूरसंचार नियंत्रित व कम्प्यूटरीकृत उपकरण है, जो ग्राहकों को जरूरत पर पैसा देता है।	छात्रा/छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	विधि:- व्याख्यान	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

	बोधात्मक प्रश्न-			
	प्रश्न-1 ATM का पूरा नाम क्या है?	उत्तर- Automated teller Machine है।		
	प्रश्न-2 यह किस प्रकार का उपकरण है?	उत्तर- दूरसंचार नियंत्रित व कम्प्यूटरीकृत उपकरण।	प्रविधि- प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-3 इसका प्रयोग सबसे पहले कब और कहाँ हुआ?	उत्तर- 27 June 1967 को लन्दन में।		
(9) A.T.M. से कैश निकालने का चरण	विकासात्मक प्रश्न-			
	प्रश्न-4 A.T.M. किन नामों से जाना जाता है?	उत्तर- कैश प्राइट।	प्रविधि:- प्रश्नोत्तर	

मूल्यांकन प्रश्न:-

- एक शब्द में उत्तर दीजिए →

1- पोस्ट पेड का आम भाषा में नाम बताओ।
2- A.T.M. का ग्रुप किसको जाता है?
3- पैसा निकालने के लिए सबसे पहले क्या डालते है?

- सत्य/असत्य बताइए →

1- A.T.M. एक दूरसंचार कम्प्यूटरीकृत उपकरण है।
2- A.T.M. का सर्वप्रथम उपयोग भारत में हुआ।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHAKUNTALA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

Page No. 24

गृहकार्य :-

छात्र A.T.M. मशीन के बारे में लिखकर लायेगें।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. ....   Page No. 25

पाठ योजना-5

कक्षा :- IX **दिनांक :-**

विषय :- वाणिज्य **अवधि :-** 35 मिनट

विद्यालय :- श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कालेज **कालांश :-** VI

प्रकरण :- किराया खरीद पद्धति

शिक्षण बिन्दु	विशिष्ट उद्देश्य	विधि/प्रविधि
1- किराया खरीद पद्धति 2- किराया खरीद पद्धति के लाभ क्रेता के लिए 3- किराया खरीद पद्धति के लाभ विक्रेता के लिए	1- ज्ञानात्मक प्राप्य उद्देश्य :- छात्रों को किराया खरीद पद्धति को परिभाषित करने योग्य बनाना। 2- अवबोधात्मक उद्देश्य :- छात्रों को किराया खरीद पद्धति का सारांश देने योग्य बनाना। 3- अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्रों को इस पद्धति का प्रयोग करने योग्य बनाना। 4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य :- छात्रों को इस पद्धति के विषय निष्कर्ष देने योग्य बनाना। 5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य :- छात्रों को किराया खरीद पद्धति के विषय में आलोचना करने योग्य बनाना। 6- कौशलात्मक उद्देश्य :- छात्रों को इस पद्धति के विषय में पूर्वकथन करने योग्य बनाना।	विधि :- व्याख्यान प्रविधि :- 1- प्रदर्शन 2- प्रश्नोत्तर सहायक सामग्री किराया खरीद पद्धति के लाभ दर्शाता चार्ट

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

पूर्वज्ञान :- छात्रों को खरीददारी की सामान्य जानकारी है।

प्रस्तावना प्रश्न —

छात्राध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न-1 जब हमें किसी वस्तु की आवश्यकता होती है तो हम कहाँ से खरीदते हैं?	**उत्तर-** हम उस वस्तु को दुकान से खरीदते हैं।
प्रश्न-2 दुकानदार को हम उस वस्तु के बदले में क्या देते हैं?	**उत्तर-** बदले में उसे रुपये देते हैं।
प्रश्न-3 दुकानदार हमसे उस वस्तु के कितने पैसे लेता है?	**उत्तर-** जितना मूल्य उस वस्तु का होता है। दुकानदार हमसे उतने ही पैसे लेता है।
प्रश्न-4 जब हमें कोई महँगी चीज खरीदनी हो और हमारे पास पूरे पैसे न हो तो तब उस वस्तु को कैसे खरीदा जाये? (समस्यात्मक प्रश्न)	**उत्तर-** छात्र निरुत्तर है।

उद्देश्य कथन :- आज हम किराया खरीद पद्धति के विषय में अध्ययन करेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	विधि/प्रविधि	श्यामपट्ट कार्य
1- किराया खरीद पद्धति	बिकासात्मक प्रश्न- प्रश्न-1 किराया क्या होता है?	उत्तर- जब हम किसी की वस्तु के उपयोग के बदले उसके मालिक को जो धन देते हैं वह किराया है।	प्रविधि:- प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2 किराया खरीद पद्धति से आप क्या समझते हैं? (समस्यात्मक प्रश्न)	उत्तर- छात्र अनुत्तरित हैं।		
	छात्राध्यापक कथन- कुछ वस्तुएं महंगी होती हैं जिन्हें साधारण व्यक्ति आसानी से नही खरीद पाता। ऐसे व्यक्तियों को महंगी वस्तु सुलभ कराने हेतु व्यापारियों ने एक ढंग निकाला है, जिसे	छात्र ध्यान पूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	विधि:- व्याख्यान	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

	किराया खरीद पद्धति कहते हैं। इसके अन्तर्गत क्रेता व विक्रेता के मध्य किसी वस्तु के क्रय-विक्रय सम्बन्धी एक अनुबन्ध होता है। वस्तु खरीदते समय क्रेता कीमत के थोड़े से भाग का भुगतान करता है, शेष कीमत का भुगतान वह सामायिक किस्तों में करता है।			किराया खरीद पद्धति 1- क्रेता तथा विक्रेता के मध्य किसी वस्तु के क्रय-विक्रय सम्बन्धी अनुबन्ध होता है। 2-पहली किस्त पर वस्तु की सुपुर्दगी। 3-अन्तिम किस्त पर वस्तु का स्वामित्व।
	बोधात्मक प्रश्न :-			
	प्रश्न-1 किराया खरीद पद्धति किन वस्तुओं को खरीदने में मदद करती है?	उत्तर- वह वस्तुएँ जो महँगी होती हैं, उन्हें यह पद्धति से आसानी से खरीदा जा सकता है।	प्रविधि :- प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-2 किराया खरीद पद्धति में वस्तु की	उत्तर- सुपुर्दगी पहली किस्त		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

	सुपुर्दगी कब होती है?	पर ही हो जाती है।		
	प्रश्न-3 अन्तिम किस्त के भुगतान के बाद क्या प्राप्त होता है?	उत्तर- वस्तु का स्वामित्व प्राप्त हो जाता है।		
(2) किराया खरीद पद्धति से क्रेताओं को लाभ	विकासात्मक प्रश्न- प्रश्न- इस पद्धति मे किस्ते कैसी-2 होती हैं?	उत्तर- मासिक, त्रैमासिक, छमाही वार्षिक आदि प्रकार होती है।	प्रविधि- प्रश्नोत्तर	
	छात्राध्यापक कथन:- इसके लाभ को दो भागो मे बांटा गया है- (A) क्रेताओं को लाभ (B) विक्रेता को लाभ क्रेता को इसमें निम्न लाभ होते हैं - मध्यम वर्गीय लोग सुविधानुसार मूल्यवान वस्तु ले सकते हैं। भुगतान किस्तों मे करने से ग्राहक को सुविधा होती है। इस विधि द्वारा लोगों को महंगी वस्तुएं उपयोग के लिए प्राप्त हो जाती है।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे	विधि:- व्याख्यान	क्रेता वर्ग को लाभ- (1) मध्यम वर्ग के लिए उपयोगी (2) भुगतान सम्बन्धी सुविधा (3) निःशुल्क मरम्मत सुविधा (4) जीविका कमाने की सुविधा विक्रेता वर्ग के लाभ- (1) ब्याज सहित कीमत

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

	बोधात्मक प्रश्न :-			
	प्रश्न-1 किराया खरीद पद्धति से किन वस्तुओं को खरीदा जा सकता है?	उत्तर- कार, मोटर साइकिल इत्यादि।	प्रविधि - प्रश्नोत्तर	(2) बिक्री में वृद्धि (3) लाभ में वृद्धि (4) ऋण लेना सम्भव (5) धनराशि की सुरक्षा
	प्रश्न-2 किराया खरीद पद्धति किन लोगों के लिए उपयोगी है?	उत्तर- मध्यम वर्गीय, छोटे व्यवसायी आदि।		
(3) किराया खरीद पद्धति से विक्रेता को लाभ	विकासात्मक प्रश्न- प्रश्न-1 इस पद्धति से मध्यम वर्गीय लोगों का रहन-सहन कैसे प्रभावित होता है?	उत्तर- मध्यम वर्गीय लोगों के रहन-सहन के स्तर को बढ़ावा मिलता है।	प्रविधि- प्रश्नोत्तर	
	बोधात्मक प्रश्न- प्रश्न-2 विक्रेता को इस पद्धति से लाभ अधिक कैसे होता है?	उत्तर- बिक्री में वृद्धि होने से।	प्रविधि:- प्रश्नोत्तर	
	प्रश्न-3 अन्तिम भुगतान तक वस्तु का स्वामित्व किसके पास रहता है?	उत्तर- विक्रेता के पास		
	प्रश्न-4 क्रेता व विक्रेता के सम्बन्ध घनिष्ठ होने से क्या लाभ मिलता है?	उत्तर- विक्रेता अन्य वस्तु बेचने में सफल हो जाते हैं।		

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

मूल्यांकन विधि :-

- रिक्त स्थान भरिए —

1- किराया खरीद पद्धति में क्रेता व विक्रेता के मध्य एक ----- होता है।
2- किराया खरीद पद्धति ------- वर्गीय लोगों के लिए अत्यन्त उपयोगी है।
3- अन्तिम भुगतान तक वस्तु का ------- विक्रेता के पास रहता है।

- सत्य / असत्य बताइए —

1- किराया खरीद पद्धति से क्रेता तथा विक्रेता दोनों को लाभ होता है।
2- किराया खरीद पद्धति से कॉपी - किताबें भी खरीदी जा सकती हैं।
3- इस पद्धति में विक्रेता को धनराशि डूबने का भय नहीं होता।

गृह कार्य :- छात्र किराया खरीद पद्धति के पाँच लाभ लिखकर लाएँगे।

SMT. SHYAM DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....